काश्यपगोत्र अग्निहोत्री

स्थान	असामी	बिस्वा
बिनौर के	जगनू	५
अमृतपुर के	भग्गा	४
लखनऊ के	जुड़ावन	४
कठेरुआ के	शीतल	४
कलुहा के	शिवदीन	१०

काश्यप गोत्र शुक्ल अवस्थी मिश्र

स्थान	असामी	बिस्वा
शुक्ल बिघौली के	गोवर्धन	५
स्थान	असामी	बिस्वा
रिवाड़ी के	सुन्दर	४
अवस्थी मिगलानी के	साहब	४
,,	खुरमुहा के यज्ञपति	४
,,	ख्यूरा के आशादत्त	२
,,	खिरौली के बबुआ	१०
मिश्र कृपानपुर	रामकृष्ण	५
,,	नगरा के देवकीनन्दन	३
,,	नगरा के शिवदत्त	३

इति काश्यप गोत्राम्

❀ ॐ ❀

गौतम गोत्रस्य वृत्तांतम्

श्री ब्रह्मा जी के पुत्र गौतम ऋषि के बन्श धनावल ग्राम में माधवानन्द शुक्ल भये उन्हीं माधवानन्द की पांचवीं पीढ़ी में त्रिपुरमर्दन परम प्रसिद्ध भये और धनावली के शुक्ल कहाये, तिनके पुत्र १ क्षेमकरण पिता की आज्ञानुसार त्रिपुरारिपुर में बसे और त्रिपुरारि के शुक्ल कहाये, क्षेमकरण के तीन पुत्र १ धनई गहवर के तिवारी, २ बिजई बादीपुर के तिवारी, ३ अङ्गद बसनिहा के तिवारी, बिजयी के २ पुत्र १ भगवन्त भदेश्वर

के दुबे, भगवानदीन गुलौली के दुबे कहाये, धनई के दो पुत्र १ यदुवंश कर्चलपुर के अग्निहोत्री, २ हरिबन्श शुक्लापुर के अग्निहोत्री, अङ्गद त्रिपाठी के ३ पुत्र पहली स्त्री से २ रूपन १ शिवलाल २ दूसरी स्त्री से कण्ठमणि ३ रूपन, चिलौली के पाँड़े, शिवलाल गुलौली के पाँड़े, कण्ठमणि पोखरा के मिश्र कण्ठमणि के २ पुत्र १ महासुख पोखरा के गौतमी, मिश्र, २ परमसुख जूंगरपुर के मिश्र रूपन के २ पुत्र १ कालेश्वर नौदसी के पाँड़े २ नागेश्वर हरिहरपुर के पाँड़े। कालेश्वर के ३ पुत्र १ मधई त्रिपुरारिपुर के अवस्थी, २ भजनी जूंगरपुर के अवस्थी ३ सीवन्त नवलपुर के अवस्थी कहाये। भजनी के दो पुत्र मतिकर बीरमपुर के दूबे, यज्ञ भोगीपुर के अवस्थी यह दोनों निज निज नाम से प्रख्यात हुए।

❀ गौतम गोत्र शुक्लों का स्थान असामी विस्वा ❀

स्थान	असामी	विस्वा	स्थान	असामी	विस्वा
धनावली	त्रिपुरमर्दन	४	त्रिपुरारि	खेमकरन	४

गौतम गोत्र तिवारी

स्थान	असामी	बिस्वा
गहवर के	घनई	२
बादीपुर के	बिजई	,,
बसनिहा के	मङ्गद	,,

गौतम गोत्र दुबे

स्थान	असामी	बिस्वा
भदेश्वरी के	भगवन्त	२
गुलौली के	भगवानदीन	२
बीरमपुर के	मतिकर	२

गौतम गोत्र अग्निहोत्री पांड़े मिश्र अवस्थी

स्थान	असामी	बिस्वा
कचंलपुर के अग्निहोत्री	यदुबंश	२
अ. शुक्लापुर के	हरिबंश	२
पांड़े चिलौली के	रूपन	३
पांड़े गुलौली के	शिवलाल	२
पांड़े नौदशी के	कालेश्वर	२
पांड़े हरिहरपुर के	नागेश्वर	३
पोखरा के मिश्र	कंठमणि	२
पोखरागौतमीमिश्र	महासुख	२
जुङ्गरपुर के मिश्र	परमसुख	२
अवस्थी भोगीपुर के	यज्ञ	३
त्रिपुरारिपुर अवस्थी	मधई	४
जूगरपुर	मजनी	२
नवलपुर के	सीवन्त	४

❀ इति गौतम गोत्रम् ❀

—❀—

गर्ग गोत्रस्य वृत्तांतम्

समस्त यदुबंशियों के पुरोहित श्री गर्ग मुनि की चौदहवीं पीढ़ी में महानन्द नामक चौबे परम प्रतापवान भये, तिनके पुत्र महेश्वर डौड़िया के चौबे विख्यात भये, तिनके ३ पुत्र पहिले पुत्र श्यामलाल पिहानी के चौबे